वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 309 | गुरुवार 7 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

संत समाज-गोभक्तों द्वारा आभार सभा

सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने में साधु-संतों की महती भूमिका: मुख्यमंत्री शर्मा

गोपाल क्रेडिट कार्ड से पशुपालकों को मिल रहा है 1 लाख रूपए का ब्याज मुक्त ऋण-साधु-संतों ने ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का किया अभिवादन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संत-महात्माओं के आदर्श जीवन से प्रेरणा पाकर हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है तथा सनातन धर्म, संस्कृति को बढ़ावा देने में संतों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार गोवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा पशुधन के कल्याण हेतु राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर पशुपालकों को लाभान्वित कर रही है। शर्मा बुधवार को संत समाज-गोभक्तों की आभार सभा को वर्चुअल माध्यम से ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में आए साधु-संतों ने गोमाता के हितों के लिए किए गए निर्णयों, ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने ढाई माह के अल्प कार्यकाल में पानी की समस्या को दूर करने के

लिए प्राथमिकता से कार्य किया है। पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना तथा शेखावटी क्षेत्र के लिए ताजेवाला हैडवर्क्स के ऐतिहासिक एमओयू के माध्यम से इन क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, उदयपुर में देवास बांध परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के माध्यम से दक्षिण राजस्थान में भी जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी परियोजनाएं कई वर्षों से लंबित थी। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल तथा साधु-संतों के आशीर्वाद से अब इनका क्रियान्वयन संभव हो पाया है।

मोबाइल वेटनरी यूनिट से पशुओं को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की गई है जिसके तहत पशुपालकों को 1 लाख रूपए तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। सरकार द्वारा पशुधन के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट की भी शुरूआत की गई है। इन यूनिट्स के माध्यम से पशुओं को समय पर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राज्य सरकार द्वारा बस, ट्रेन तथा हवाईजहाज के माध्यम से दर्शनार्थियों के लिए परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध करवायी जा रही है। कार्यक्रम में बुधगिरी मढ़ी (फतेहपुर शेखावाटी) के पीठाधीश्वर एवं गोसेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश गिरी महाराज ने राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि सनातन धर्म संस्कृति तथा गोसेवा संरक्षण के लिए राज्य सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच तथा उनके नेतृत्व के कारण यह संभव हो सका है। इस अवसर पर संत-महात्माओं का श्रीफल तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। समारोह में गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद सी.पी. जोशी, सुमेधानंद सरस्वती, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, रेवासा धाम पीठाधीश्वर राघवाचार्य महाराज, संत गोविंद वल्लभ जी महाराज, रघुनाथ जी भारती सहित बड़ी संख्या में साधु-संत उपस्थित रहे।

सिद्धायतन में बनेगा नवीन विद्यालय भवन

जयपुर के गंगवाल परिवार ने किया भूमि पूजन

राजेश रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

द्रोणगिरि, बड़ामलहरा। श्री कुंदकुंद कहान दिगम्बर जैन स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट द्रोणगिरि सेंधपा द्वारा संचालित श्री समंतभद्र शिक्षण संस्थान के नवीन भवन का भूमि पूजन गरिमामयी उपस्थिति में जयपुर के अनिल कुमार राकेश गंगवाल परिवार द्वारा किया गया। संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नवीन भवन का निर्माण किया जाना प्रस्तावित था जिसको फलीभूत करते हुये शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय समिति के अध्यक्ष अलोक दाऊ ने बताया कि इस अवसर पर परिसर में स्थित श्री सीमंधर जिनालय में श्री जिनेंद्र प्रक्षाल पूजन एवं श्री गुरुदत्त सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि विधान किया गया ,जिसे सुमधुर स्वर लहरियों में पंकज शास्त्री बमनी एवं निलेश शास्त्री द्वारा तथा विधिविधान पूर्वक कमलेश शास्त्री टीकमगढ़ ने संपन्न कराया। इस दौरान विशेष सहयोग रोहित शास्त्री सिद्धायतन ने किया। इसके पश्चात शिलान्यास सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता महेंद्र कुमार गंगवाल जयपुर ने वर्चुअल करते हुये कहा कि आज सिद्धायतन में जो कार्य हो रहा है वह बहुत अच्छा कार्य है क्योंकि वर्तमान और भविष्य में संस्कार से बड़ा कोई दूसरा धन नहीं है और वे संस्कार सिद्धायतन में आवासीय रह रहे नौनिहालों को प्राप्त हो रहे हैं। आप सभी ट्रस्टियों के अथक प्रयास से प्राप्त हो रहे ऐसे उत्कृष्ट कार्य की मैं बहुत-बहुत अनुमोदना करता हूं एवं आप सभी लोगों को नवीन विद्यालय भवन निर्मित कराने की तैयारी के लिये हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमेरचंद्र रावका ने भी सिद्धायतन ट्रस्ट की मुक्तकंठ से सराहना की। विशिष्ट आतिथ्य अनिल- सरोज, सुनील- रीटा, राकेश- संध्या, शुभम- रिशिता, यश- मानसी, लक्की- श्रृष्टि, आकर्ष, यशवी, मानविक गंगवाल परिवार जयपुर का रहा। कार्यक्रम में मंगलाचरण छात्र हर्ष जैन ने किया जबकि स्वागत गीत सुलभ जैन ने प्रस्तुत किया इसके अलावा छात्र सरस जैन ने कविता के रूप में अपने छात्रावास की दिनचर्या प्रस्तुत की। स्वागत भाषण एवं संस्था का परिचय ट्रस्ट के मंत्री प्रद्युम्न फौजदार में दिया। विद्यालय समिति के अध्यक्ष आलोक जैन दाऊ ने विद्यालय का परिचय एवं आगमी योजना से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन कमलेश शास्त्री टीकमगढ़ ने किया जबकि आभार प्रदर्शन ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद डेवडिया ने किया।

संगीत संस्थान में विद्यार्थियों ने महान कलाकारों को दी स्वरांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर में महान शास्त्रीय गायक उस्ताद राशिद खान, विदुषी डॉ प्रभा अत्रे एवं गजल गायक पंकज उधास को विद्यार्थियों ने संगीतमय प्रस्तुतियों द्वारा स्वरांजलि दी।साथ ही महाविद्यालय विकास समिति के पुनर्गठन पश्चात साधारण सभा का आयोजन भी किया गया। संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर दिलीप गोयल ने अतिथियों का स्वागत तुलसी के पौधे दे कर किया। इस अवसर पर हुल्लास पुरोहित ने 'संवारे अइ जइयो' (ठुमरी) गा कर डॉ प्रभा अत्रे को तथा 'आओगे जब तुम साजना' गाकर उस्ताद राशिद खाँ को स्वरांजलि दी। हार्दिक थरूका ने पंकज उधास की गाई मशहूर नज्म 'चिट्ठी आई है' प्रस्तुत की। इस अवसर पर लोक गायिका श्रीमती सीमा मिश्रा ,संस्थान के पूर्व छात्र एवं प्रशासनिक अधिकारी महेन्द्र कुमार खींची, कथक गुरु सुश्री प्रेरणा श्रीमाली,पूर्व प्राचार्य डॉ सोमकांत भोजक उपस्थित रहे और अपनी प्रस्तुति भी दी। समिति सचिव प्रोफेसर वसुधा सक्सेना ने बताया कि सभा में महाविद्यालय से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई तथा आगामी माह में एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया ।

एक्युप्रेशर शिविर का आयोजन 3 से 8 तक

धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल. श्री दिगंबर जैन समाज धुलियान द्वारा एक्युप्रेशर शिविर आयोजित किया जा रहा है जो 3 से 8 मार्च तक चलेगा ।जिसका उपचार एक्युप्रेशर रिसर्च ट्रेनिंग एवं टिरिटमेंन्ट संस्थान जोधपुर के विशेषज्ञ कर रहे है, बिना औषधी द्वारा उपचार किया जा रहा है, समाज की महिलाए व पुरुष उत्साह के साथ अपना उपचार करा रहे है।

संकलन : संजय बड़जात्या

महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा जीव एवं मानव सेवा की

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर. शाबाश इंडिया। सबकी सेवा सबको प्यार और जियो और जीने दो के सिद्धांत पर सेवा कार्यों में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा निर्धन व्यक्तियों हेतु अन्नपूर्णा रसाई में निःशुल्क भोजन व्यवस्था की गई। नवलेश बुरड़ के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन धर्मेंद्र कुमार, पुष्पेन्द्र, हेमेंद्र, प्राज्ञ चौधरी परिवार द्वारा अपनी नातिन सिया सुपुत्री प्रिया आशीष चौधरी के प्रथम मासिक जन्मदिवस के उपलक्ष में किया गया। उन्होंने सभी को सेवा कार्यों के साथ अपने विशेष प्रसंगो को मनाने की प्रेरणा दी। संध्या बोहरा ने बताया कि इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अशोक पालडेचा, दिलीप दक, अमित बाबेल, जितेंद्र धारीवाल, नवलेश बुरड़, रूपा कोठारी, हेमलता नाहर, अनिता पगारिया, राजलक्ष्मी धारीवाल, सन्ध्या बोहरा आदि उपस्थित रहे।

आप लोग मानव है आपके अंदर दया का भाव होना चाहिएः निर्यापक श्रमण श्री समयसागरजी महाराज

टीम अशोक नगर को पड़गआहन कर नवधाभक्ति का मिला सौभाग्य

कट्टीपार गोंदिया

आप लोग मानव है आपके अंदर दया का भाव होना चाहिए दया से ही तो धर्म चलाता है अभी आप लोगों ने अहिंसा धर्म की जय कारा लगाईं अहिंसा आचरण में आना चाहिए छोटी-छोटी बातों से जीवन में अहिंसा पर सकती आप फलों का सेवन करते हैं जिस प्रकार पेड़ के ऊपर मीठे मीठे फल लगते है और आप लोग सेवन करते है क्या उस प्रकार से मांस मिल सकता है ? जब तक जीव का घात नहीं होगा तब तक मांस की उपलब्धि ''आप लोग मानव है आपके अंदर दया का भाव होना चाहिए- निर्यापक श्रमण श्री समयसागरजी महाराज''

टीम अशोक नगर को पड़गआहन कर नवधाभक्ति का मिला सौभाग्य

कट्टीपार गोंदिया--आप लोग मानव है आपके अंदर दया का भाव होना चाहिए दया से ही तो धर्म चलाता है अभी आप लोगों ने अहिंसा धर्म की जय कारा लगाईं अहिंसा आचरण में आना चाहिए छोटी-छोटी बातों से जीवन में अहिंसा पर सकती आप फलों का सेवन करते हैं जिस प्रकार पेड़ के ऊपर मीठे मीठे फल लगते है और आप लोग सेवन करते है क्या उस प्रकार से मांस मिल सकता है ? जब तक जीव का घात नहीं होगा तब तक मांस की उपलब्धि सम्भव नहीं है,एक जीव के जीवन को समाप्त करके अपने जीवन को सुरक्षित करने का जो भाव है यह ठीक विपरीत भाव माना जाता है उक्त आश्य केउद्गार जेष्ठश्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्रीसमयसागरजी मुनिराज ने व्यक्त किए।

संतों की कठिन साधना देखकर मन आश्चर्यचकित होता हैः विजय धुर्रा

इसके पहले समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागरजी महाराज ससंघ मुनि श्री प्रस्शतसागर जी महाराज मुनिश्री मल्लि सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार डोंगरगढ़ से कुंडलपुर की ओर चल रहा है आप सभी कुट्टी गांव जिला गोंदिया महाराष्ट्र वासियों का सौभाग्य है कि यहां गुरु देव के चरण पड़ रहें हैं ये ऐसे संत हैं जिनको देखकर हमें अपने संसार को सुधारने का भान होता है इनकी कठोर साधना देखकर आश्चर्यचकित मन कहता है कि ऐसा भी हो सकता है इस दौरान जिला सदस्य सुरेश भाऊं सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनि श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रत्येक जीव को अपने प्राण प्रिये हुआ करतें हैं...

सभा में कहा कि प्रत्येक जीव को अपने अपने प्राण प्रिय हुआ करते है अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिये किसी जीव का घात करना उचित नहीं माना जा सकता।उन्होंने कहा कि महापुरुषों का यह कहना है कि हमें प्रत्येक जीव के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिये मुनि श्री पशुओं के प्रति करुणा भाव से कहा कि आप लोगों का जीवन तो फुल फैसेलिटीज के साथ चल रहा है ए. सी. में रह रहे हो किंतू पशुओं का जीवन पराश्रित है आप लोगों को यदि कोई कष्ट आता है तो आप लोग एक दूसरे से कहकर उस कष्ट का निवारण कर लेते हो लेकिन उन मूक पशुओं की ओर भी देखो वह तो अपने कष्ट को अपने दुःख को व्यक्त भी नहीं कर सकते,उनको तो समय पर भोजन पानी भी नहीं मिल पाता फिर भी वह किसी से नहीं कहते जैसे आप लोग अपनी सुविधाओं का ध्यान रखते है उसी प्रकार उन मूक पशुओं का भी ध्यान रखना चाहिये वह पशु भी आपके घर परिवार के ही सदस्य है जैसे आप अपने परिवार के सदस्यों का ख्याल रखते है उसी प्रकार आपके घर में पलने बाली गाय का भी आपको प्रवंध करना चाहिये।

दूध अमृत के समान है जो आपको पशुओं से मिलता है...

उन्होंने कहा कि वह मूक पशु आपसे क्या चाहता है, मात्र रुखा सूखा भोजन अथबा हरी हरी घास और छना हुआ पानी जब आप करुणा भाव से उसको देते है तो वह भी आपको मीठा मीठा दूध प्रदान करती है जोकि आपके और आपके परिवार के लिये अमृत समान है गाय आदि पशु आपको दूध प्रदान कर आपके बच्चों के जीवन में सहायक बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरूदेव हमेशा कहते थे कि आप लोग उनको जीवन प्रदान नहीं करते बल्कि जो पशु आपके आश्रित होकर पल रहे है वह आपके परिवार का भरण पोषण करते है। सभा में उपस्थित स्कूली छात्र छात्राओं को सम्वोधित करते हुये कहा कि जो बच्चे शाकाहार का आलंबन लेते है उनके आरोग्य की रक्षा तो होती ही है, साथ ही साथ धर्म भी पलता है एवं एक दूसरे के साथ परोपकार की भावना जाग्रत होती है। दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया आचार्य श्री संघ के साथ मध्यप्रदेश महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के लोग भारी संख्या मैं चौका लेकर चल रहे है आज गुरुदेव को आहार कराने का सौभाग्य अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय कुमार धुर्रा संयोजक उमेश सिघई थूवोनजी के कोषाध्यक्ष सौरव वाझल संरक्षण अशोक जैन धुर्रा को पड़ गाहन कर नवधाभक्ति का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंगल विहार में पहुंचे विद्यावाणी समूह के अविनाश जैन अन्य भक्तों को श्री फल भेंट करने का सौभाग्य मिला इस अवसर पर मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ पूर्व विधायक राजेंद्र जैन राजू हितेश भाई शुसील जैन वाला घाट राकेश जैन वारा सिवनी उपस्थित थे संचालन मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय जैन धुर्रा अशोक नगर ने किया। सम्भव नहीं है,एक जीव के जीवन को समाप्त करके अपने जीवन को सुरक्षित करने का जो भाव है यह ठीक विपरीत भाव माना जाता है उक्त आश्य केउद्गार जेष्ठश्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्रीसमयसागरजी मुनिराज ने व्यक्त किए।

संतों की कठिन साधना देखकर मन आश्चर्यचकित होता हैः विजय धुर्रा

इसके पहले समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागरजी महाराज ससंघ मुनि श्री प्रस्शतसागर जी महाराज मुनिश्री मल्लि सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार डोंगरगढ़ से कुंडलपुर की ओर चल रहा है आप सभी कुट्टी गांव जिला गोंदिया महाराष्ट्र वासियों का सौभाग्य है कि यहां गुरु देव के चरण पड़ रहें हैं ये ऐसे संत हैं जिनको देखकर हमें अपने संसार को सुधारने का भान होता है इनकी कठोर साधना देखकर आश्चर्यचकित मन कहता है कि ऐसा भी हो सकता है इस दौरान जिला सदस्य सुरेश भाऊं सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनि श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभा में कहा कि प्रत्येक जीव को अपने अपने प्राण प्रिय हुआ करते है अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिये किसी जीव का घात करना उचित नहीं माना जा सकता।उन्होंने कहा कि महापुरुषों का यह कहना है कि हमें प्रत्येक जीव के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिये मुनि श्री पशुओं के प्रति करुणा भाव से कहा कि आप लोगों का जीवन तो फुल फैसेलिटीज के साथ चल रहा है ए. सी. में रह रहे हो किंतू पशुओं का जीवन पराश्रित है आप लोगों को यदि कोई कष्ट आता है तो आप लोग एक दूसरे से कहकर उस कष्ट का निवारण कर लेते हो लेकिन उन मूक पशुओं की ओर भी देखो वह तो अपने कष्ट को अपने दुःख को व्यक्त भी नहीं कर सकते,उनको तो समय पर भोजन पानी भी नहीं मिल पाता फिर भी वह किसी से नहीं कहते जैसे आप लोग अपनी सुविधाओं का ध्यान रखते है उसी प्रकार उन मूक पशुओं का भी ध्यान रखना चाहिये वह पशु भी आपके घर परिवार के ही सदस्य है जैसे आप अपने परिवार के सदस्यों का ख्याल रखते है उसी प्रकार आपके घर में पलने बाली गाय का भी आपको प्रवंध करना चाहिये। उन्होंने कहा कि वह मूक पशु आपसे क्या चाहता है, मात्र रुखा सूखा भोजन अथबा हरी हरी घास और छना हुआ पानी जब आप करुणा भाव से उसको देते है तो वह भी आपको मीठा मीठा दूध प्रदान करती है जोकि आपके और आपके परिवार के लिये अमृत समान है गाय आदि पशु आपको दूध प्रदान कर आपके वच्चो के जीवन में सहायक वन जातें हैं । उन्होंने कहा कि गुरूदेव हमेशा कहते थे कि आप लोग उनको जीवन प्रदान नहीं करते बल्कि जो पशु आपके आश्रित होकर पल रहे है वह आपके परिवार का भरण पोषण करते है।

वेद ज्ञान

सरल और सुगम बनना जरूरी

अनुशासन का अर्थ है नियम के अंतर्गत चलना। अब प्रश्न है कि नियम क्या है? नियम नैतिकता को कहते हैं और नैतिकता, सरलता और सुगमता को कहा जाता है। यह जो नीति शब्द है वह 'ऋत' से बना है। 'ऋत' का अर्थ है जो सरल और सुगम हो। यही शब्द आगे चलकर 'ऋत' बना और 'ऋत' से ही नीति बन गया। नैतिकता इसी नीति से बना हुआ शब्द है, जिसका अर्थ होता है, जीवन में सरल और सुगम बनना। प्रत्येक मनुष्य जन्म से ही सरल और सुगम होता है। बचपन में कोई विकार नहीं होता। इसलिए बचपन सब को प्यारा लगता है। लेकिन मनुष्य जब बड़ा हो जाता है, तो विकारग्रस्त बन जाता है। उसमें बुराइयां आ जाती हैं। इसी बुराई से बचने के लिए संयम, नियम और अनुशासन की आवश्यकता पड़ती है। अनुशासन दो प्रकार के होते हैं-एक बाहर का अनुशासन और दूसरा अंतर्मन का अनुशासन। बाहर का अनुशासन दिखावटी होता है और भीतर का अनुशासन मौलिक होता है। बाहर के अनुशासन के लिए हम व्यायाम करते हैं, लेकिन भीतर के अनुशासन के लिए हमें प्राणायाम करना पड़ता है। भीतर का अनुशासन तभी आता है, जब मन में उठ रहे काम और क्रोध के वेग को प्राणायाम से नियंत्रित किया जाए। अंतर्मन के अनुशासन के लिए प्राणायाम के सिवा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अंतर्मन की क्रिया को बाहर से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। जीवन में अनुशासन आए, यह अच्छी बात है, लेकिन अनुशासन भीतर का हो, बाहर के अनुशासन से भीतर को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। अनुशासन तो भीतर से आना चाहिए। अगर कोई छात्र टीचर के भय से अथवा कमांडर के भय से सीधा खड़ा है, तो वह अनुशासन में नहीं है, वह भय के कारण अनुशासन में दिख रहा है। इसलिए जहां भय होगा, वहां अनुशासन नहीं हो सकता। पतंजलि ने संयम, नियम और आसन की बात की है। संयमपूर्वक नियम का पालन ही अनुशासन है। जो भीतर से नियम का पालन करे, जिसका मन सरल बन जाए, विकार मुक्त हो जाए, जो काम क्रोध और अहंकार से प्रभावित न हो, उसे ही अनुशासित कहते हैं। हाथ-पांव सीधे करके खड़ा होना अनुशासन नहीं है, मन और वाणी को संयमित करना अनुशासन है।

संपादकीय

एसबीआई का समय बढ़ाने की मांग सवालों के घेरे में

चुनावी चंदे का विवरण देने को लेकर भारतीय स्टेट बैंक की समय बढ़ाने संबंधी फरियाद पर स्वाभाविक ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने आज तक का समय दिया था कि वह सारा विवरण निर्वाचन आयोग को सौंप दे। उस विवरण को एक हफ्ते के भीतर निर्वाचन आयोग को सार्वजनिक करना था। मगर अब स्टेट बैंक का कहना है कि बांड के रूप में जो भी चुनावी चंदा दिया और लिया गया था, उसका हिसाब-किताब दो जगहों पर जमा है और उनका मिलान करने में वक्त लग जाएगा, इसलिए उसे तीस जून तक का समय दिया जाए। उसकी यह दलील किसी के गले इसलिए नहीं उतर रही कि आज जब बैंकों का सारा कामकाज डिजिटलीकृत हो चुका है और किसी भी खाते के लेन-देन का विवरण एक बटन दबाते ही निकल आता है, तब स्टेट बैंक को कुल बाईस हजार दो सौ सत्रह बांडों का हिसाब-किताब निकालने में इतना वक्त क्यों लगना चाहिए। स्टेट बैंक कोई छोटा-मोटा बैंक नहीं है। देश के छोटे से छोटे हिस्से, यहां तक कि दूसरे देशों में भी उसकी शाखाएं हैं, उसके लाखों ग्राहक हैं। इतने बड़े कारोबार को देखने के लिए हजारों कर्मचारी हैं, जो रोज लाखों लेन-देन का हिसाब-किताब रखते हैं। उसके पास अत्याधुनिक साफ्टवेयर हैं। फिर भी हैरानी की बात है कि उसे बाईस हजार बांडों का हिसाब जुटाने के लिए इतना वक्त चाहिए। बांड के जरिए गुप्त तरीके से चुनावी चंदा लेने की प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले महीने असंवैधानिक करार दिया था। उसने बीते करीब पांच वर्षों में इस तरह हुई चंदे की लेन-देन का विवरण सार्वजनिक करने का आदेश दिया था, ताकि लोगों को पता चल सके कि किस राजनीतिक दल ने किन-किन लोगों और कंपनियों के कितना चंदा लिया। दरअसल, आरोप था कि कई घाटे में चल रही कंपनियों ने भी राजनीतिक दलों को करोड़ों रुपए का चंदा दिया है। इसमें रिश्वत, कालेधन को सफेद करने और फर्जी नाम से चल रही विदेशी कंपनियों के जरिए धनशोधन का मामला भी बन सकता है। चूंकि चंदा उगाही की इस पूरी प्रक्रिया को सूचनाधिकार के दायरे से बाहर रखा गया था, इसलिए इसके बारे में सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने इसे राजनीतिक दलों के बराबरी के हक का उल्लंघन और असंवैधानिक करा दिया था। कुछ लोगों के इस तर्क को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि स्टेट बैंक इसलिए जून तक का समय मांग रहा है कि तब तक लोकसभा के चुनाव संपन्न हो चुके होंगे और चुनावी चंदे में आए नामों को लेकर राजनीतिक विवाद पैदा होने से बचा जा सकेगा। चूंकि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक चुनावी चंदा सत्ताधारी दल को मिला है, इसलिए विपक्षी दलों को इस पर अंगुली उठाने का मौका मिल गया है। सर्वोच्च न्यायालय स्टेट बैंक की फरियाद पर क्या रुख अख्तियार करता है, देखने की बात है। मगर जिस तरह उसने इस पूरी प्रक्रिया को असंवैधानिक करार दिया, उससे उम्मीद

परिदृश्य

विश्व व्यापार संगठन

एक और डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन अबू धाबी में संपन्न हो गया, पर इसमें दिखाने के लिए कुछ खास नहीं था। आखिरकार, डब्ल्यूटीओ या विश्व व्यापार संगठन के मुख्य कार्य, यानी संवाद कार्य और विवाद सुलझाने का कार्य पिछले कुछ समय से ठप पड़े हैं। इन दोनों कार्यों को फिर शुरू करने की कोशिशें अबू धाबी में सिफर साबित हुईं। इससे पता चलता है कि 166 सदस्यों वाला यह संगठन कैसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त हो गया है। अबू धाबी में 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में डब्ल्यूटीओ सदस्यों के सामने चार मुख्य चुनौतियां थीं। पहली, मत्स्य पालन सब्सिडी पर बहुपक्षीय समझौता कैसे किया जाए। दूसरी, अपीलीय निकाय को कैसे बहाल किया जाए, ताकि विवाद निपटान तंत्र डब्ल्यूटीओ के मुकुट में रत्न के रूप में अपनी प्रतिष्ठा फिर से हासिल कर सके। तीसरी, खाद्य सुरक्षा से संबंधित सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग (पीएसएच) मुद्दे का स्थायी समाधान कैसे हो, जिसकी मांग भारत और कई अन्य देश कर रहे हैं। और आखिरी, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क पर रोक के विस्तार को कैसे सुनिश्चित करें। मत्स्य पालन सब्सिडी पर बहुपक्षीय समझौता पिछले मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में आंशिक रूप से हो गया था और इसे इस सम्मेलन में पूरा किया जाना था, ताकि यह लागू हो सके। निराशा की बात है कि यहां वाताकारों को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। भारत ने समानता और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी, जिसके कारण यूरोपीय संघ के वार्ताकार को कहना पड़ा कि केवल एक देश (भारत) था, जिसने सहमति रोकी है। भले ही यह सच हो, पर भारत अपने मछुआरों की आजीविका के लिए दी जाने वाली सब्सिडी से कैसे समझौता कर सकता है? अनेक देश हैं, जो भारत से भी ज्यादा सब्सिडी देते हैं। हमारे किसानों के लिए भी यही बात लागू होती है। डब्ल्यूटीओ ने भारत जैसे देशों से जो वादा किया था, उससे वह मुकर गया है। वास्तव में, कृषि सब्सिडी एक गंभीर मुद्दा है, जिसे अत्यधिक गरीबी और भूख को खत्म करने के सतत विकास लक्ष्य से जोड़ा जाना चाहिए। बाजार तक पहुंच के मुद्दे को बंधक बनाना अनुचित व अन्यायपूर्ण है। अफसोस, अबू धाबी के सम्मेलन में इस दिशा में कोई कामयाबी नहीं मिली। अपीलीय निकाय की बहाली की कहानी भी अलग नहीं है। केवल एक डब्ल्यूटीओ सदस्य, यानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस पर आपत्ति जताई है। यदि डोनाल्ड ट्रंप सफल होते हैं, तो इस विषय पर सभी दांव बेकार चले जाएंगे। यह सम्मेलन बमुश्किल इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क पर रोक को दो साल तक बढ़ाने में कामयाब रहा है। भारत इसके भी विरोध में था और संयुक्त अरब अमीरात के व्यापार मंत्री के व्यक्तिगत अनुरोध के बाद ही वह अंतिम समय में सहमत हुआ। बहरहाल, सम्मेलन के बाद यह निष्कर्ष निकालना उचित होगा कि बहुपक्षीय मंचों पर चीन-भारत सहयोग का युग अब समाप्ति की ओर है। अब ब्रिक्स समूह पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, यह देखना बाकी है। चीन दुनिया के सौ से ज्यादा देशों के साथ व्यापार समझौता कर चुका है। अब बहुपक्षीय संगठन के रूप में डब्ल्यूटीओ का भविष्य उज्ज्वल नहीं है। क्या विश्व स्तर पर व्यापार विवाद सुलझाने के मोर्चे पर हम बुरे पुराने दिनों की वापसी देख सकते हैं? यदि ऐसा होता है, तो भारत क्या करेगा?

महिलाएं घर और समुदाय की रीढ़ होती हैं...

लेखिका : तलत खान

(बीडीएस छात्रा)
आकांक्षी दंत चिकित्सक

यह शायद हमेशा से सत्य है और हमेशा शाश्वत रहेगा कि महिलाएं घर और समुदाय की रीढ़ होती हैं। समाज को एक बेहतर स्थान बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वे प्रेम और शक्ति की प्रतीक हैं। एक गृहिणी होने के बावजूद महिलाएं अपने पेशे और कार्यों के साथ समाज में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। वे न केवल समाज की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि भविष्य के लिए पथ प्रदर्शक भी होती हैं, बच्चों का बेहतर पालन-पोषण और पालन-पोषण के बाद उनका बेहतर भविष्य बनाना उनके जीवन असल मकसद होता है लेकिन, वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए दुर्भाग्य से उन्हें वह प्यार, प्रशंसा और कृतज्ञता नहीं मिल पा रही है जिसकी वे हकदार हैं। आज हमने खुद को इतना पश्चिमीकृत कर लिया है कि हमें अपनी मां के लिए समय निकालना मुश्किल हो गया है। यह उनका अथक प्रयास है जिसने हमें वो बनाया है जिस पर आज फख्र करते हैं। हो सकता है कि वे हमेशा न कहें, लेकिन केवल एक चीज जो वे हमसे मांगते हैं वह है सम्मान, समय और वैसा ही प्यार जैसा उन्होंने हमें परवरिश के दौरान दिया। इसलिए उन महिलाओं के साथ विनम्र, सौम्य और दयालु बनें जो आपके आसपास हैं, आपकी मदद करती हैं और आपको बनाती हैं एक अच्छा इंसान। (लेखिका का अपना अध्ययन एवं अपने विचार हैं)

पंचकल्याणक महोत्सव में दोपहर में याग मण्डल विधान से शुभारंभ हुआ

आर के जैन. शाबाश इंडिया

इन्दौर। सुमति धाम गोधा स्टेट गांधी नगर इन्दौर में पंचकल्याणक महोत्सव में दोपहर में याग मण्डल विधान किया। सुबह गांधी नगर जैन मन्दिर से 24 पालकी में भगवान को लेकर घटयात्रा में आए भगवान का अभिषेक के पश्चात आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी प्रवचन हुए जिसमें गुरुदेव ने पंचकल्याणक में पाषाण से भगवान बनने की प्रक्रिया का विस्तार से समझाया।

अन्नपूर्णा संस्था का 106 वां नेत्र शिविर संपन्न 28की जांच कर 10 को निशुल्क ऑपरेशन हेतु दाहोद भेजा

आयोजन में वनवासी क्षेत्र के लिए एक कंप्यूटर सिस्टम देने की घोषणा की

धामनोद. शाबाश इंडिया। 6 मार्च को मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था द्वारा दृष्टि नेत्रालय दाहोद के तकनीकी सहयोग से 106वा नेत्र शिविर संम्पन्न हुआ ।जिसमे 28 मरीजों की जॉच कर 10 को चयनित कर निशुल्क ऑपरेशन, दवाई, चश्मे हेतु भोजन पेकेट के साथ ससम्मान बस में बैठकर दाहोद के लिए रवाना किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि इंजी शिवम डॉ निश्रिता राय, विशिष्ट अतिथि थे। अतिथियों, रोगियों द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात अतिथियों का मोती माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया व स्मृति चिन्ह प्रदान दिए गए। मुख्य अतिथि द्वारा मरीजों को फल वितरण किया गय। साथ ही प्राचार्य सीमा अरविंद जैन ने वनवासी क्षेत्र में संस्था के माध्यम से 1 कंप्यूटर सिस्टम शैक्षणिक उपयोग हेतु दान देने की घोषणा की गई ।शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोगियों के ब्लड शुगर, ब्लडप्रेशर व सिकल सेल एनीमिया की जॉच की गई। इस अवसर पर सचिव सुरेंद्र बंसल, कोषाध्यक्ष पुरषोत्तम खंडेलवाल, पुष्परंजन बर्वे, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुशवाह, कविता तोमर, प्रभु स्वामी, मीनाक्षी पटेल, संजू वास्केल, अशोक तोमर, निशा राठौड़, एवं अनेक सेवादार उपस्थित रहे । कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था अध्यक्ष दीपक प्रधान ने किया व सेवा संस्थान के द्वारा विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी भी दी गई आभार सेवा संस्थान के सहसचिव देवकरण पाटीदार ने माना ।यह जानकारी विजय नामदेव ने दी ।

फैशन डिजाइनर सव्यसाची के शो में वीसीडी की छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर सव्यसाची मुखर्जी के उदयपुर में हुए फैशन शो में वीसीडी कॉलेज की छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। कॉलेज की छात्रा रिदम सोनी, मेघना पालीवाल, प्राची शर्मा और स्नेहा नेहरा ने फैशन शो में फैशन स्टाइलिस्ट के रूप में भाग लेकर भारी सुर्खियां बटोरी। शानदार लुक तैयार करने से लेकर रुझानों को परिभाषित करने तक में छात्राओं की रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं है। वही क्षेत्र के मीडिया जगत जुड़े पत्रकार मनोज सोनी की पुत्री रीदम सोनी ने कार्यक्रम में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी।

मनाये जन्म तप व ज्ञान कल्याणक सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में श्री आदिनाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक एवं श्री श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। महेश मोटूका निवाई वालों ने गुरु मां के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा करने का अवसर प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने तप कल्याणक के अवसर पर उपवास ग्रहण कर तपाराधना की। माताजी ससंघ की आहारचर्या करवाने का सौभाग्य शिमला मोटूका, संजू ललवाड़ी, चौमुंबाग जैन समाज व व्रती आश्रम के व्रतियों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - हमेशा ईश्वर के फैसले पर खुश होना चाहिए क्योंकि प्रभु आपको वो कभी नहीं देते जो आपको अच्छा लगता है बल्कि वो देते हैं जो हमेशा आपके लिए अच्छा होता है।

श्रेयांस नाथ, आदिनाथ भगवान का मनाया जन्म एवं तप कल्याणक तथा केवल ज्ञान कल्याणक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर श्रेयांस नाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव तथा प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए जैन- धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर श्रेयांस नाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव तथा आदिनाथ भगवान का केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई। इसी कड़ी में मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल जयपुर एवं समाज के प्रतिनिधि मोहनलाल झंडा ने बताया कि हर वर्ष की भांति कल 7 मार्च 2024 को मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान के निर्वाण दिवस पर मुनि सुव्रतनाथ भगवान की बोलियों के द्वारा 108 स्वर्ण कलशो से महाशांतिधारा होने के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर श्री जी का निर्वाण दिवस मनाया जायेगा।

और भी हैं राहें मुहिम का कोटा डेवलपमेंट फोरम द्वारा लोकार्पण

कोटा. शाबाश इंडिया। कोटा में बढ़ती आत्महत्या को देखते हुए कोटा डेवलपमेंट फोरम ने और भी हैं राहें मुहिम का लोकार्पण आज किया ।कन्वेनर डा समीर मेहता ने बताया कि इस सामाजिक कार्य के तहत उन बच्चों के , जिन्होंने नीट या आईआई टी की कोचिंग ली और असफल रहे हैं और फिर दूसरा कैरियर बनाया के छोटे छोटे मोटिवेशनल वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं। साथ ही स्कूल के बच्चों व उनके अभिभावकों को भी और भी हैं राहें के बारे में समझाया जा रहा है। स्कूलों में सेमिनार के माध्यम से काउंसलिंग की जाएगी। कार्यक्रम में पैट्रन डा टी सी मेहता, अध्यक्ष संजय भार्गव, सचिव श्रीमती आशा शर्मा, यज्ञदत्त हाड़ा ,मुकेश चौधरी व के डी एफ के सभी सदस्यगण उपस्थित थे जिन बच्चों को मोटिवेशन की जरूरत है वह हेल्पलाइन नंबर 0744- 2390333 पर संपर्क कर सकते हैं।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन 5 मार्च...

बहुत आसान है जमीं पर घर-मकान, आलीशान बंगला बना लेना..
अपनों के दिल में जगह बनाने में जिन्दगी गुजर जाती है...!

एक समय था - जब घर का मुखिया घर जाता, तो घर में सन्नाटा सा हो जाता था। सारा घर काँप जाता था, तब घर में इतना दब-दबा था। पर आज ना कोई डरता है, नहीं काँपता है, मुखिया के आने पर कोई सावधान भी नहीं होता। सब अपने अपने मोबाइल, फोन और काम में मशगूल रहते हैं। यदि ऐसा हो रहा है, तो समझना अब मुखिया का प्रभुत्व समाप्त हो गया है। घर से मुखिया का प्रभुत्व समाप्त होने लगे, तो समझदारी इसी में है कि वानप्रस्थ की तैयारी कर लेना चाहिए। एक समय था - जब घर का मुखिया घर जाता, तो सब खड़े हो जाते थे। दो तीन जगह से पानी आता था। लेकिन अब तीन बार मंगाओ तब एक बार पानी आता है, वह भी मुश्किल से, तो समझना आपका प्रभुत्व समाप्त हो गया है। पहले आप बोलते थे, तो सभी सुनते थे, घर का मुखिया बोलता था तो किसी कि चू की भी आवाज नहीं आती थी। अब सभी बोलने लगे और खरी खोटी सुनाते भी हैं। जब सबकी सुनना पड़े तो समझना, आपका प्रभुत्व समाप्त हो गया है। जब मन, शरीर और इन्द्रिय थक जाये, तो संसार के प्रति व्यामोह, आसक्ति, मूर्च्छा कम करते हुये वान प्रस्थान की तैयारी कर लेना चाहिए।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

भामाशाह काशी प्रसाद मुरारका को 'बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ' अभियान पर लिखित पुस्तक की भेंट

लक्ष्मणगढ़, सीकर. शाबाश इंडिया। ''बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ'' अभियान कवि हरीश शर्मा द्वारा चलाया जा रहा उत्कृष्ट अभियान है जिसका उद्देश्य है कि बेटों को शिक्षित और संस्कारी बनाएंगे तो बेटियों की सुरक्षा स्वतः ही हो जाएगी। इस अभियान पर शर्मा द्वारा एक पुस्तक भी प्रकाशित करवाई गई थी। भामाशाह काशीप्रसाद मुरारका इन दिनों मंदिर में सप्तश्रृंगी माता और हनुमानजी की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के लिए लक्ष्मणगढ़ आये हुए हैं। इस अवसर पर बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा व अभियान के कोषाध्यक्ष अनमोल सुरेका ने अभियान की जानकारी देते हुए भामाशाह काशीप्रसाद मुरारका को अभियान पर प्रकाशित पुस्तक की प्रति भेंट की। मुरारका को यह अभियान बहुत सुंदर लगा और अभियान की काफी प्रसंशा की और साथ ही कहा कि कभी भी इस अभियान में हमारा आवश्यकता तो बेझिझक बताना। यह अभियान हम सभी का है और हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करते रहना चाहिये। आगे उन्होंने कहा कि आज के युग में ऐसे अभियानों की बहुत ही आवश्यकता है, इससे समाज को नई दिशा और सोच मिलेगी। कवि शर्मा ने भामाशाह मुरारका का आभार प्रकट किया।

संतोष जैन को नारी शक्ति वंदन अवार्ड दिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नगर निगम ग्रेटर की ओर से जवाहर कला केंद्र जयपुर में नारी शक्ति वंदन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर ने श्रीमती संतोष जैन को नारी स्वरोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए नारी शक्ति वंदन अवार्ड से सम्मानित किया। पिछले 10 वर्षों में संतोष जैन ने राजस्थान में करीब 10000 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया और उन्हें अचार- चटनी, पापड़, मंगोड़ी, आदि खाद्य-सामग्री बनाना और बेचना सिखाया। पद्मावती स्वयं सहायता समूह की सचिव ऋतु जैन ने बताया कि संतोष जैन को पूर्व में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनीता भदैल एवं अन्य कई पदाधिकारीयों द्वारा भी समय - समय पर विभिन्न जगहों पर अवार्ड एवं प्रशस्ति-पत्रों से सम्मानित किया जा चुका है।

22 जनवरी 2024 को आयोजित राम लाल दीपोत्सव गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

जयपुर. शाबाश इंडिया। छोटी काशी जयपुर में 22 जनवरी 2024 को आयोजित श्रीरामलल्ला दीपोत्सव आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि इस दिन जयपुर के अल्बर्ट हॉल को अयोध्या की तर्ज पर सजाया गया, यह आयोजन अयोध्या के बाद एक दूसरा आयोजन था जिसमें 35 फीट ऊंची और 20 फीट चौड़ी भगवान श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई एवं सवा लाख दीपकों से मंत्रोचारण के द्वारा महा आरती हुई जिसमें लाखों की संख्या में राम भक्त मौजूद रहे ।इस अवसर पर आकाश में 300 ड्रोनों द्वारा भगवान श्री राम की धनुष के साथ प्रकृति प्रतिकृति एवं अन्य प्रतिकृतियां बनाई गई जो देखने में काफी मनमोहक रही। महा सचिव गब्बर कटारा ने बताया इस प्रोग्राम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवम् अन्य हजारों गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। इस भव्य आयोजन की पूरे देश में खूब चर्चाएं हुई, इसी संदर्भ में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से भारत के प्रमुख आलोक कुमार ने श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट को राम मंदिर की सबसे बड़ी प्रतिकृति बनाने के उपलक्ष्य में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सीईओ एमएल सोनी, उपाध्यक्ष रामनिवास मथुरिया, प्रसनजीत मालू सचिव जे के जैन, कोषाध्यक्ष आर के गुप्ता भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने पर सीएचसी रावतसर व पीएचसी केलनिया सम्मानित

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों को जिला कलेक्टर कानाराम व मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नवनीत शर्मा ने जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया।जिला स्तरीय सम्मान समारोह हनुमानगढ़ में आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओ को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाए प्रदान करने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रावतसर व गर्भवती महिलाओ की प्रसव पूर्व अधिकतम जांच कर लाभान्वित करने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केलनीया को प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रावतसर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर से प्रमाणित होने पर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में रावतसर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मनिंद्र सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर सुभाष भिड़ासारा व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केलनीया के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर हरलाल सहारण को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मनिंद्र सिंह ने इस सम्मान का श्रेय समस्त चिकित्सकों व कार्मिकों को दिया। रावतसर खंड की 2 चिकित्सा संस्थानों को सम्मानित होने पर डॉक्टर एसपी ढाल, डॉक्टर पीडी स्वामी, डॉक्टर धनपत छींपा, डॉक्टर मोहब्बत अली, डॉक्टर रेणु गुप्ता, डॉक्टर सोनू भाटिया, डॉक्टर महेंद्र शर्मा, डॉक्टर रमेश सुथार, डॉक्टर पवन नांदीवाल, डॉक्टर संजीव चौधरी, डॉक्टर रेखा मीणा, नर्सिंग स्टाफ पूनम चंद, दिनेश शर्मा, सतीश बाघला, बीएनओ बलराम सहारण सहित चिकित्सा कार्मिकों ने बधाई दी।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप "फेडरेशन" का 28वां राष्ट्रीय अधिवेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, "फेडरेशन" का 28 वां राष्ट्रीय अधिवेशन जो कि 3 मार्च 2024 को "बड़ेबाबा" कुंडलपुर पर भगवान आदिनाथजी के चरणों में जबलपुर में ग्रुप के सयोजन में आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका एवं मंत्री श्रीमती सुनीता गंगवाल के साथ-साथ लगभग 15 सदस्यों ने शिरकत की। संगिनी सदस्यों ने बहुत ही खूबसूरती के साथ बैनर पर प्रजेंटेशन दिया जिसमें शकुंतला को सर्वश्रेष्ठ महिला अध्यक्ष के लिए पुरस्कृत किया गया तत्पश्चात बड़े बाबा के दर्शन आरती कर सभी सदस्यों ने रहली पटनागंज गढ़ाकोटा तेंदूखेड़ा पटेरिया पथरियाजी आदि आसपास दर्शनीय स्थान की यात्रा की। हर्ष उल्लास के साथ यात्रा संपन्न कर श्री जी के जयकारों के साथ 15 सदस्यों की टीम ने पुनः जयपुर की ओर प्रस्थान किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार सम्मान समारोह जयपुर में हुआ सम्पन्न

उत्कृष्ट कार्य करने वाली 51 सेवाभावी हस्तियों का हुआ सम्मान। राजस्थान से 11 निराश्रित बच्चों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए संस्था ने लिया गोद

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा जयपुर के जानकीदेवी ओडिटोरिम में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों से चयन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली 51 सरकारी व गैरसरकारी सेवाभावी हस्तियों का सम्मान किया गया । साथ ही राजस्थान से संस्था ने 11 निराश्रित बच्चों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करने हेतु गोद लिया। संस्था विगत लम्बे समय से बाल संरक्षण के व जनहित के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही जिसके लिए संस्था को दर्जनों जिलास्तर राज्यस्तर व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान से नवाजा जा चुका है ।कार्यक्रम में जयपुर सांसद रामचारण बोहरा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे दुबई के नामचीन उधोगपति अमराराम चुयल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की साथ ही कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि कर्नल मानद डॉ. पार्वती जांगिड पूर्व मुख्यमंत्री के विशेषधिकारी फारूक आफरीदी पद्मश्री अली गनी नई दिल्ली के जीएसटी व कस्टम अतिरिक्त आयुक्त दिनेश सारंग आचार्य रामानन्द जी महाराज जुगल शर्मा जी अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पँवार आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान से नवाजी गई डॉक्टर सरिता बेनीवाल ने बच्चों के हित में सहायता हेतु तत्पर रहने व हरसंभव मदद करने का मंच से ऐलान किया कार्यक्रम में डॉ. शैलेंद्र पंड्या,उप पुलिस अधीक्षक उदयपुर चेतना भाटी, भारत के प्रथम ई रिक्शा निर्माता राजेश शर्मा,वर्ल्ड चैंपियन संदीप आर्य, पद्मश्री उस्ताद अली गनी, मशहूर कॉमेडियन पन्या सेपट,डॉ. शिवमंगल नागल, अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर मनदीप जांगड़ा,उस्ताद आमीन साबरी एंड ब्रदर्स, डॉ. दिव्यानी कटारा, हनूमान चहनंग, ताऊ शेखावटी,हनुमान भद्रेचा, डॉ.निखिल जैन, डॉ. ताराचंद मेघवाल,भोमराज, रामचंद्र गोठडीवाल,शर्मिला कुमारी, पुखराज सुथार, लोहित आमेटा, कैलाश प्रज्ञ, डॉ.सरिता बेनीवाल, भजन गायक संपत दादिच, श्रवन धामु, रोहित जांगिड़, गिरीश कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार सुथार, यजुवेंद्र सिंह, भरत नागदा, राहुल मेघवाल, महिपाल कामेडिया, मोनिका जांगिड़, ख्याति शर्मा, दीपक मीणा,रजत सुथार,डॉ अविनाश यादव,डॉ. निलेश बाबूलाल पंचाल,डॉ. जिल्फिकार, ललित कुमार बरंडा, एंकर त्रिलोक, कवि धीरज सुथार, अनुज योगी, रमेश कानटवा, हर्षित सोनी, नीव फाउंडेशन, सुथार युवा कमेटी, रिद्धिसार फाउंडेशन, अनस्टॉपेबल 20, आह्वान जनकल्याण समिति को आदि को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार सम्मान से नवाजा गया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविन्द जांगिड ने व प्रदेश अध्यक्ष पंकज जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जियोसिनेमा और एमएस धोनी ने टाटा आईपीएल 2024 के लिए गठबंधन किया

जियोसिनेमा टाटा आईपीएल 2024 के लिए कैप्टन कूल के साथ ला रहा एक एड फिल्म। एक और एड फिल्म आएगी जिसमें पहली बार जसप्रित बुमरा और कपिल देव एक साथ दिखाई देंगे।

जयपुर. शाबाश इंडिया। एक बार फिर से लौट आया है क्रिकेट का त्यौहार, यानि टाटा आईपीएल की बहार। जहां वर्ष 2024 के शुरूआती सीजन में टाटा आईपीएल का सभी को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। वहीं, जियो सिनेमा ने भी एक और रोमांचक संस्करण का वादा निभाते हुए अपना अभियान शुरू किया है। इस अभियान में तीन एड फिल्में शामिल हैं, जिनमें से पहली में एमएस धोनी डबल रोल में हैं। ये तीनों एड फिल्में डिजिटल पर टाटा आईपीएल देखने के चस्के और आनंद को उजागर करती हैं। यह अभियान इस बात से पर्दा उठता है कि आज के दौर में बढ़ती संख्या में भारतीय डिजिटल पर लाइव स्पोर्ट देखने का विकल्प चुन रहे हैं, जिसमें टाटा आईपीएल भी शामिल है। पिछले सीजन में जियो सिनेमा लगभग 449 मिलियन व्यूअर के रिकॉर्ड पर पहुंच गया था। द स्क्रिप्ट रूम द्वारा परिकल्पित और अर्ली मैन फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में एमएस धोनी को दादा और पोते के अनोखे डबल रोल में फिल्माया गया है। यह एड फिल्म टीवी, डिजिटल, सोशल और प्रिंट मीडिया में दिखाई जाएगी।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा उपरांत आचार्य सुनील सागर का हुआ विहार

बोल खेड़ा की धरा संतों की साधना के लिए उत्कृष्ट स्थली है: आचार्य सुनील सागर

कामा. शाबाश इंडिया। सात दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कामां के समापन के उपरांत आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर से जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा के लिए पद विहार हुआ तो आचार्य ने कहा की कामां की धरा में प्रेम प्यार और पवित्रता नजर आती है यहां यह भव्य दिव्य आयोजन हुआ है जिसके उत्कृष्ट परिणाम सामने आएंगे। तपोस्थली बोल खेड़ा के महामंत्री अरुण जैन बंटी ने बताया कि आचार्य संघ का जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा पर मंगल प्रवेश हुआ तो समिति के पदाधिकारीयों ने भावभीनी आगवानी की। पाद प्रक्षालन व आरती उतार कर आचार्य संघ का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर आचार्य ने कहा की तपोस्थली बोल खेड़ा संतों की साधना की उत्कृष्ट स्थली तो है ही साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण शांतिमय स्थल है। कैथवाड़ा ने प्रख्यात कवि नानक चंद नवीन के द्वारा बैंड बाजो के साथ अपने निज निवास तक प्रवेश कराया गया तो वहां काव्य पाठ करते हुए गुरु वंदना की और कहा कि गुरु की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता। गुलपाड़ा चौराहे पर सरपंच छवि गोयल पुत्र भरत लाल गोयल परिवार द्वारा पाद प्रक्षालन कर अचार्य संघ का अभिनंदन किया गया।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, आजाद नगर का वार्षिकोत्सव 9 को

अभ्युदय के माध्यम से विद्यार्थी भारत में होने वाली नीतिगत चर्चाओं विकास कार्यक्रमों से करायेगे अवगत

पंकज पोरवाल. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, आजाद नगर में शनिवार दिनांक 9 मार्च 2024 को वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा। इसका शीर्षक है अभ्युदय। अभ्युदय का अर्थ है ऊंचाई, वृद्धि, समृद्धि अर्थात नए भारत का उदय। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि उच्च जिला एवं सेशन न्यायधीश एवं जिला विधिक सेवक प्राधिकरण, भीलवाडा राजपाल सिंह, सम्मानिय अतिथि विशिष्ठ उच्च जिला न्यायधीश राजबाला सिंह, विशिष्ठ अतिथि दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, पूर्व अध्यक्ष श्री महेश सेवा समिति शिव नारायण दरक, समाज सेवक पर्यावरणविद् बाबुलाल जाजू होंगे। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में कक्षा 1 से 10वीं के विद्यार्थी भाग ले रहे है। जिसमे वह यह बताने जा रहे कि भारत विकासशील से विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है। सचिव राजेंद्र कुमार कचोलिया, सह सचिव प्रहलाद राय हिंगड़, विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप तोषनीवाल ने बताया कि हमने कोशिश की है कि अभ्युदय के माध्यम से हमारे विद्यार्थी भारत में होने वाली नीतिगत चचाओं, विकास कार्यक्रमों और सामाजिक आर्थिक विकास आदि से अवगत रहे। प्रिंसिपल अल्पा सिंह ने बताया कि इस थीम के माध्यम से प्राचीन भारत का गौरव, आजादी का संघर्ष, वीर जवानों का बलिदान, खेल तथा कला संस्कृति के क्षेत्र में भारत ने कामयाबी का जो परचम लहराया है उसकी कुछ झलकियां प्रस्तुत की जाएंगी। इन झलकियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि हमारा देश किस प्रकार हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है तथा भारत पुनः सोने की चिड़िया बनने की ओर अग्रसर है। वाईस प्रिंसिपल रूचि रस्तोगी ने बताया कि वार्षिकोत्सव के दौरान जिन बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का मान सम्मान और गौरव बढाया उन बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा।

तीन दिवसीय महोत्सव में प्रथम नाटक 'जागो' का मंचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। कला-संस्कृति, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग राजस्थान के सहयोग से आमेर रंग महोत्सव 2024 का आयोजन 06 मार्च को शाम 7 बजे नाटक वाला कला मंच आमेर में किया गया। तीन दिवसीय महोत्सव में प्रथम नाटक 'जागो' का मंचन हुआ। जिसका लेखन एवं निर्देशन अजमेर के युवा रंगकर्मी गोपाल प्रसाद द्वारा किया गया। नाटक के कथानक में बेतहाशा पानी की बर्बादी कर रहे सोते हुए लोगों को जगाने का प्रयास किया गया है। नाटक में किरदार शर्मा जी से पूरे मोहल्ले वाले परेशान हैं ,क्योंकि वह बहुत ज्यादा पानी बर्बाद करते हैं। नहाने के लिए पांच-पांच बाल्टी,कुत्ते को पाइप से नहलाना फिर गाड़ी धोना और बार-बार यही कहना कि पैसे से वह पानी को खरीद लेंगे। लेकिन एक दिन शर्मा जी को सपना आता है की पूरी दुनिया में पानी खत्म हो चुका है। कुए बावड़ी तालाब सब सूख चुके हैं, हेडपंप में भी पानी नहीं है। शर्मा जी सपने से जाग कर और इंद्र देवता से माफी मांग कर प्रतिज्ञा लेते हैं कि वह कभी भी पानी की बर्बादी नहीं करेंगे। हास्य मनोरंजन के रूप में पानी बचाओ का सामाजिक संदेश देते इस नाटक के मुख्य कलाकारों में गोपाल प्रसाद, प्रवीण, ओम प्रकाश, रेणू, रिषभ गौतम, विकास सैनी एवं अवनी ने मुख्य भूमिका निभाई।

फाल्गुन वदि एकादशी उपज्यो केवल ज्ञान...

शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया जैन धर्म के प्रवर्तक एवं पहले तीर्थंकर तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का ज्ञान कल्याणक एवं ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांस नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव, जैन मंदिरों में हुए पूजा अर्चना के विशेष आयोजन। गुरुवार 7 मार्च को बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाएंगे। चढ़ायेंगे निर्वाण लाडू। दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

जयपुर। जैन धर्मावलंबियों ने बुधवार 6 मार्च को जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का ज्ञान कल्याणक दिवस एवं ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांस नाथ के जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मन्दिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। गुरुवार,7 मार्च को 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस तथा निवाणोत्सव मनाया जावेगा। इस मौके पर निर्वाण लाडू चढाया जावेगा । राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बुधवार को प्रातः आदिनाथ भगवान एवं श्रेयांस नाथ भगवान के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ भगवान आदिनाथ का ज्ञान कल्याणक श्लोक ''फाल्गुन वदि एकादशी उपज्यो केवल ज्ञान। इन्द्र आय पूजा करिए,मै पूजों इह थान।'' बोलकर ज्ञान कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। इसी प्रकार से ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांस नाथ का जन्म व तप कल्याणक श्लोक का सामूहिक उच्चारण करते हुए जन्म एवं तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ।

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार दिल्ली रोड स्थित जयसिंह पुरा खोर के श्री श्रेयांस नाथ दिगम्बर जैन मंदिर, आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, सांगानेर के संघीजी मंदिर सहित अन्य में धार्मिक आयोजन किए गए।